Series : SSO/1

Code No. कोड नं. **2/1/1**

Roll No. रोल नं.

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्नपत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्नपत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सिने जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिंदी के माध्यम से पहचान मिली है । यही कारण है कि गैर-हिंदी भाषी कलाकार भी हिंदी की ओर आए हैं । समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेज़ी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और ज़मीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिंदी ही है । लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे हिंदी फ़िल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं ।

'छोटा परदा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया तो लगा हिंदी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई । हमारे आद्यग्रंथों – रामायण और महाभारत को जब हिंदी में प्रस्तुत किया गया तो सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया । 'बुनियाद' और 'हम लोग' से शुरू हुआ सोप ऑपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिंदी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं । 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिंदी हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई । सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्णाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम जैसे गैर-हिंदी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिंदी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई । ज्ञान गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टॉम ऐंड जेरी' – इनकी हिंदी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्‌भुत, प्रभावी और ग्राह्य है । धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान–सभी कार्यक्रम हिंदी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं ।

(क) उपर्युक्त अवतरण के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ख) गैर-हिंदी भाषी कलाकारों के हिंदी सिनेमा में आने के दो कारणों का उल्लेख कीजिए । 2

(ग) छोटा परदा से क्या तात्पर्य है ? इसका आम जन-जीवन की भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा ? 2

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया । 2

(ङ) कुछ बहुप्रचलित और लोकप्रिय धारावाहिकों के उल्लेख से लेखक क्या सिद्ध करना चाहता है ? 2

(च) 'सदी का महानायक' से लेखक का संकेत किस फ़िल्मी सितारे की ओर है ? 1

(छ) फ़िल्म और टी.वी. ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में क्या भूमिका निभाई है ? संक्षेप में लिखिए । 2

(ज) 'उर्वरता' शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए । 1

(झ) 'सन्नाटा' और 'विलोम' शब्दों के विलोम लिखिए । 1

(ञ) 'उच्चारण' और 'भारतीय' शब्दों के उपसर्ग-प्रत्यय बताइए । 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हो दोस्त या कि वह दुश्मन हो,
हो परिचित या परिचय-विहीन
तुम जिसे समझते रहे बड़ा
या जिसे मानते रहे दीन
यदि कभी किसी कारण से
उसके यश पर पड़ती दिखे धूल,
तो सख्त बात कह उठने की
रे, तेरे हाथों हो न भूल ।

मत कहो कि वह ऐसा ही था,
मत कहो कि इसके सौ गवाह,
यदि सचमुच ही वह फिसल गया
या पकड़ी उसने गलत राह –
तो सख्त बात से नहीं, स्नेह से
काम ज़रा लेकर देखो,
अपने अंतर का नेह अरे,
देकर देखो ।

कितने भी गहरे रहें गर्त,

हर जगह प्यार जा सकता है,

कितना भी भ्रष्ट ज़माना हो,

हर समय प्यार भा सकता है,

जो गिरे हुओं को उठा सके,

इससे प्यारा कुछ जतन नहीं,

दे प्यार उठा पाए न जिसे

इतना गहरा कुछ पतन नहीं ।

देखे से प्यार भरी आँखें

दुस्साहस पीले होते हैं

हर एक धृष्टता के कपोल

आँसू से गीले होते हैं ।

तो सख्त बात से नहीं

स्नेह से काम ज़रा लेकर देखो,

अपने अंतर का नेह

अरे, देकर देखो ।

(क) गलत राह पर चल रहे व्यक्ति को सही राह पर लाने का क्या उपाय है ? **1**

(ख) प्यार की शक्ति के बारे में कवि की क्या मान्यता है ? **1**

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए : हर एक धृष्टता के कपोल आँसू से गीले होते हैं । **2**

(घ) अंतर का स्नेह बाँटने से व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? **1**

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **5**

(क) मोबाइल बिना सब सूना

(ख) बीस-बीस क्रिकेट का रोमांच

(ग) भ्रष्टाचार की समस्या

(घ) प्रगति पथ पर भारत

4. एक सड़क को चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से बहुत अधिक पेड़ काटे गए हैं, इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन और पर्यावरण विभाग को एक पत्र लिखिए । 5

अथवा

सड़क पर आप दुर्घटना ग्रस्त हो गए थे । पुलिस मूक दर्शक बनी रही । कुछ राहगीरों ने आपको अस्पताल पहुँचाया । पूरी जानकारी देते हुए अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष को पत्र लिखकर प्रथम सूचना रिपोर्ट लिखने का निवेदन कीजिए ।

5. (क) संक्षेप में उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

(i) जनसंचार के प्रचलित माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम क्या है ?

(ii) मुद्रित माध्यम को स्थायी माध्यम क्यों कहा गया है ?

(iii) संपादकीय से क्या तात्पर्य है ?

(iv) रिपोर्ट लेखन की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(v) 'खोजी पत्रकारिता' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) आप के क्षेत्र में आकस्मिक बाढ़ के कारण यातायात की संपूर्ण व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई है । जान-माल की बहुत क्षति हुई है । इन बिन्दुओं के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए । 5

अथवा

रोगी मित्र को अस्पताल ले जाने पर ज्ञात हुआ कि सभी डॉक्टर हड़ताल पर हैं । सभी रोगियों की दशा दयनीय हो गई है । इस विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए ।

6. 'वाहनों की बढ़ती संख्या' **अथवा** 'महँगाई के बोझ तले मज़दूर' विषय पर एक फीचर का आलेख लिखिए । 5

खंड – 'ग'

7. किसी **एक** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 + 2 + 2 + 2 = 8$

रुद्ध कोष है, क्षुब्धतोष
अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं
धनी, वज्र गर्जन से बादल ।
त्रस्त नयन, मुख ढाँप रहे हैं ।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर ।
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर !

अथवा

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है

बालक तो हई चाँद पै ललचाया है

दर्पण उसे दे के कह रही है माँ

देख आईने में चाँद उतर आया है ।

(क) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ख) यह काव्यांश किस छंद में लिखा गया है ? उसकी विशेषता बताइए ।

(ग) 'देख आईने में चाँद उतर आया है' कथन के सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए ।

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है । टिप्पणी कीजिए ।

(ख) कविता के उपमानों की चर्चा करते हुए प्रतिपादित कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्र है ।

(ग) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

10. नीचे दिए हुए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 + 2 + 2 + 2 = 8**

जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी । वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं । केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया, पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ । उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने ।

(क) वह 'देहातिन' कौन थी ? उसने अपने नाम का उपयोग न करने की प्रार्थना लेखिका से क्यों की ?

(ख) 'मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है' – कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – लक्ष्मी की समृद्धि कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी ।

(घ) लेखिका और उसके घर में काम करने वाली भक्तिन के वास्तविक नामों में ऐसा क्या विरोधाभास था जिसे लेकर दोनों को जीना पड़ रहा था ?

अथवा

इस चिलकती धूप में इतना-इतना सरस वह कैसे बना रहता है ? क्या ये बाह्य परिवर्तन – धूप, वर्षा, आँधी, लू – अपने आपमें सत्य नहीं हैं ? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है । अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था । क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है । शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है । गांधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था । मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ, तब-तब हूक उठती है – हाय, वह अवधूत आज कहाँ है !

(क) अवधूत किसे कहते हैं ? शिरीष को अवधूत मानना कहाँ तक तर्कसंगत है ?

(ख) किन आधारों पर लेखक महात्मा गांधी और शिरीष को समान धरातल पर पाता है ?

(ग) देश के ऊपर से गुजर रहे बवंडर का क्या स्वरूप है ? इससे कैसे जूझा जा सकता है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब-तब हूक उठती है – हाय, वह अवधूत आज कहाँ है ?

11. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 + 3 + 3 + 3 = 12**

(क) नमक की पुड़िया के संबंध में सफ़िया के मन में क्या द्वंद्व था ? उसका क्या समाधान निकला ?

(ख) चार्ली चैपलिन का भारतीयकरण किसे कहा गया है और क्यों ?

(ग) पहलवान लुट्टन के सुखचैन भरे दिनों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(घ) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर बताइए कि जीजी ने इंदरसेना पर पानी फेंके जाने को किस प्रकार सही ठहराया ?

(ङ) बाज़ार का जादू क्या है ? उसके चढ़ने-उतरने का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 'बाज़ार दर्शन पाठ' के आधार पर उत्तर लिखिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की किन्हीं **तीन** विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

(ख) उस खास बात का विस्तार से उल्लेख कीजिए जो अजायबघर में रखे सिंधु सभ्यता के पुरातत्त्व के अवशेषों से सिद्ध होती है ।

(ग) कहानीकार के शिक्षित होने के संघर्ष में दत्ता जी एवं देसाई के योगदान को 'जूझ' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर यशोधर बाबू के सामने आई किन्हीं **दो** 'समहाऊ इंप्रॉपर' स्थितियों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'ऐन की डायरी उसकी निजी भावनात्मक उथल-पुथल का दस्तावेज भी है ।' इस कथन की विवेचना कीजिए ।

(ग) क्या सिंधु घाटी सभ्यता को जल संस्कृति कह सकते हैं ? कारण सहित उत्तर दीजिए ।

14. श्री सौंदलगेकर के व्यक्तित्व की उन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए जिनके कारण 'जूझ' के लेखक के मन में कविता के प्रति लगाव उत्पन्न हुआ । 5

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' में एक ओर स्थिति को ज्यों-का-त्यों स्वीकार लेने का भाव है तो दूसरी ओर अनिर्णय की स्थिति भी । कहानी के इस द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए ।